



Research Article

माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के समायोजन का अध्ययन: धनबाद जिले के संदर्भ में

कलीमुद्दीन अंसारी ^{1*}, डॉ. के. एस. एन. सिंह ²

¹ शोधार्थी, मनोविज्ञान विभाग, बी.बी.एम.के. युनिवर्सिटी धनबाद, झारखंड, भारत

² असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, चास कॉलेज चास, बोकारो, झारखण्ड, भारत

Corresponding Author: * कलीमुद्दीन अंसारी

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.20810131>

सारांश

धनबाद जिले के माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 9 और 10 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के समायोजन को समझने के लिए इस शोध-पत्र में एक मिश्रित-पद्धति आधारित रूपरेखा प्रस्तुत किया गया है। समायोजन को शैक्षिक, भावनात्मक, सामाजिक, पारिवारिक, विद्यालयी वातावरण, सहपाठी-समूह और व्यक्तिगत आयामों में व्यवस्थित किया गया है, न कि केवल अनुशासन या विद्यालयी प्रदर्शन तक सीमित। किशोरावस्था में होने वाले तीव्र शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक और भावनात्मक बदलावों से विद्यार्थियों का स्कूल में अनुभव प्रभावित होता है; इसलिए विद्यालयी परामर्श, शिक्षक-सहयोग, परिवार-सहयोग और शैक्षिक वातावरण में समायोजन की जांच की जरूरत है (National Educational Research and Training Council [NCERT], nd)। धनबाद का संदर्भ विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इस जिले की आधिकारिक जानकारी में विद्यालयों, शहरी-ग्रामीण परिवेश, जनसंख्या घनत्व और जिला-स्तरीय शैक्षिक प्रशासन की संरचना स्पष्ट रूप से दर्ज हैं (जिला धनबाद, झारखंड सरकार, n.d.)। धनबाद, झारखंड राज्य, न.दि.-ख)।

वर्णनात्मक सर्वेक्षण, तुलनात्मक विश्लेषण, सहसंबंध, प्रतिगमन और थीमैटिक विश्लेषण अध्ययन में शामिल हैं। इस संस्करण में कोई सांख्यिकीय परिणाम, p-value, प्रभाव-आकार या निष्कर्षात्मक दावा नहीं हैं क्योंकि वास्तविक विद्यार्थी-स्तरीय सर्वे डेटा उपलब्ध नहीं है। दस्तावेज़ में सत्यापित द्वितीयक स्रोतों से अध्ययन की पृष्ठभूमि, शोध-समस्या, उपकरण-निर्माण, नैतिक प्रक्रियाओं और डेटा-विश्लेषण योजना की जानकारी दी गई है। यही मसौदा पूर्ण परिणाम-अध्याय में बदल सकता है अगर प्राथमिक डेटा उपलब्ध है।

Manuscript Information

- ISSN No: 2583-7397
- Received: 15-05-2026
- Accepted: 17-06-2026
- Published: 23-06-2026
- IJCRM:5(3); 2026: 1065-1073
- ©2026, All Rights Reserved
- Plagiarism Checked: Yes
- Peer Review Process: Yes

How to Cite this Article

कलीमुद्दीन अंसारी , डॉ. के. एस. एन. सिंह . माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के समायोजन का अध्ययन: धनबाद जिले के संदर्भ में. Int J Contemp Res Multidiscip. 2026;5(3):1065-1073.

Access this Article Online



www.multiarticlesjournal.com

मूल शब्द: विद्यार्थी समायोजन, माध्यमिक शिक्षा, धनबाद, किशोरावस्था, शैक्षिक मनोविज्ञान, विद्यालयी वातावरण, मिश्रित-पद्धति; परिवार-सहयोग, सहपाठी संबंध, नैतिक शोध।

1. प्रस्तावना

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी केवल पाठ्यक्रम की चुनौती नहीं होते; यह आत्म-पहचान, सहपाठी-संबंध, शैक्षिक लक्ष्यों, परिवार की उम्मीदें और भविष्य की चिंताओं का समय भी है। यहाँ समायोजन का मतलब है कि विद्यार्थी कैसे अपने व्यक्तिगत उद्देश्यों, भावनात्मक आवश्यकताओं और सामाजिक-विद्यालयी माँगों को संतुलित कर सकता है। NCERT के मार्गदर्शन एवं परामर्श मॉड्यूल में विकास और समायोजन को परस्पर पूरक प्रक्रियाएँ मानते हैं, जहाँ व्यक्ति की आवश्यकताएँ और पर्यावरण की माँगें एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं (NCERT, Nd)।

विद्यार्थी कक्षा 9 और 10 में बोर्ड परीक्षा की तैयारी, विषय-चयन, करियर कल्पना, सहपाठी के प्रभाव, डिजिटल विचलन और परिवार की अपेक्षाओं से गुजरते हैं। यदि विद्यार्थी इन दबावों को संतुलित नहीं कर सकते, तो वे विद्यालय से दूर हो सकते हैं, अपने लक्ष्यों को खो सकते हैं, भावनात्मक तनाव झेल सकते हैं, सामाजिक रूप से अलग हो सकते हैं, या अनुशासन में कठिनाइयाँ झेल सकते हैं। इसलिए विद्यार्थी समायोजन का अध्ययन अधिगम-संवर्धन, विद्यालयी गुणवत्ता और मानसिक स्वास्थ्य से सीधे जुड़ा हुआ है।

विद्यार्थियों का सामाजिक-आर्थिक संदर्भ भी राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में संकलित होता है; 2021 चक्र में देश के 1,18,274 विद्यालयों और 720 जिलों में लगभग 34 लाख विद्यार्थियों का मूल्यांकन हुआ (NCIRT, 2021/2024)। इससे स्पष्ट है कि विद्यार्थी-संदर्भ केवल अंक नहीं, बल्कि परिवार, विद्यालय और सामाजिक परिवेश के साथ पढ़ना चाहिए। वर्तमान प्रस्तावित अध्ययन धनबाद जिले के माध्यमिक विद्यार्थियों के समायोजन की बहुआयामी जाँच का खाका इसी दृष्टि से प्रस्तुत करता है।

2. अध्ययन का आधार: धनबाद का शैक्षिक संदर्भ: धनबाद झारखण्ड का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक-शहरी जिला है, जहाँ ग्रामीण और शहरी

दोनों तरह के सामाजिक-शैक्षिक परिवेश मौजूद हैं। धनबाद जिले की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार 2011 की जनगणना में जिले की कुल जनसंख्या 28,46,954 थी (पुरुष 14,98,305 और महिला 13,48,649), एक जनसंख्या घनत्व 1300 लोग प्रति वर्ग किलोमीटर था और 1990 में प्राथमिक, मध्य और उच्च विद्यालयों की संख्या थी (जिला धनबाद, झारखंड सरकार, न.दि.-क)। सामाजिक-सांख्यिकीय संदर्भ समायोजन अध्ययन में महत्वपूर्ण है क्योंकि घनी आबादी, औद्योगिक श्रम-संस्कृति, परिवार की आर्थिक विविधता और शहरी-ग्रामीण असमानता विद्यार्थियों के शैक्षिक अनुभव को प्रभावित कर सकती हैं।

आधिकारिक स्रोतों में ब्लॉक-स्तरीय शैक्षिक निगरानी प्रणाली, जिला शिक्षा अधीक्षक की भूमिका और जिला-स्तरीय सरकारी विद्यालयों के संचालन के लिए समिति का उल्लेख है। धनबाद, बाघमारा और गोविंदपुर जैसे शैक्षिक रेंज प्रशासनिक रूप से स्कूलों की व्यवस्था को देखते हैं (जिला धनबाद, झारखंड सरकार, न.दि.-ख)। विद्यालय चुनाव, अनुमति प्रक्रिया और ग्रामीण-शहरी स्तरीकरण इस व्यवस्था का अध्ययन कर सकते हैं।

UDIS+ भारत की विद्यालयी सूचना प्रणाली का प्रमुख स्रोत है, जिसमें शिक्षकों, आधारभूत सुविधाओं, नामांकन, विद्यालयों और प्रत्येक विद्यालय-प्रकार से संबंधित आंकड़े संकलित किए जाते हैं। शिक्षा मंत्रालय की सांख्यिकी सूची में 2021-22, 2022-23 और 2024-25 के UDISE+ प्रकाशन हैं (2022 में शिक्षा मंत्रालय; 2024 में शिक्षा मंत्रालय; मंत्रालय of Education, 2025)। UDISE+ को वर्तमान अध्ययन में पृष्ठभूमि-स्रोत के रूप में लिया जा सकता है, लेकिन UDISE+ से विद्यार्थी-समायोजन के व्यक्तिगत स्कोर नहीं मिलते; प्राथमिक सर्वेक्षण से ही उन्हें पाना होगा।

तालिका 1: अध्ययन हेतु सत्यापित द्वितीयक स्रोत, उपयोग और सीमाएँ

स्रोत	उपलब्ध सूचना	अध्ययन में उपयोग	प्रमुख सीमा
धनबाद जिला आधिकारिक पोर्टल	जनसंख्या, घनत्व, विद्यालयों की कुल संख्या, प्रशासनिक पृष्ठभूमि	जिला-स्तरीय संदर्भ और नमूना-स्तरीकरण	समायोजन के व्यक्तिगत स्कोर उपलब्ध नहीं
धनबाद जिला शिक्षा पृष्ठ	जिला शिक्षा प्रशासन, रेंज और ब्लॉक-निगरानी सूचना	विद्यालय अनुमति और क्षेत्रीय चयन	विद्यालयों की मनोवैज्ञानिक स्थिति या विद्यार्थी-स्तर डेटा नहीं
UDISE+ रिपोर्ट/डैशबोर्ड	विद्यालय, नामांकन, शिक्षक और आधारभूत संरचना से संबंधित सूचना	विद्यालय-प्रकार और संदर्भ-निर्धारण	समायोजन, तनाव, परिवार-सहयोग जैसे चर उपलब्ध नहीं
NAS/PARAKH-NCERT	अधिगम उपलब्धि और विद्यार्थी/विद्यालय/शिक्षक प्रभावली आधारित संदर्भ	शैक्षिक उपलब्धि और संदर्भ के संबंध को समझना	व्यक्ति-स्तरीय समायोजन स्केल नहीं
जनगणना 2011/DCHB	ग्रामीण-शहरी, जनसंख्या और सुविधा संबंधी जिला सूचना	सामाजिक पृष्ठभूमि का द्वितीयक आधार	वर्तमान वर्ष की विद्यार्थी-स्तरीय जानकारी नहीं

3. समस्या का प्रतिपादन

धनबाद जिले के माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 9 और 10 में अध्ययनरत विद्यार्थियों का समायोजन किस स्तर का है, लिंग, कक्षा, विद्यालय का प्रकार, ग्रामीण या शहरी स्थान, पारिवारिक शैक्षिक पृष्ठभूमि, पारिवारिक आय, माध्यम और शैक्षिक उपलब्धि पर निर्भर करता है? वर्तमान अध्ययन का मूल मुद्दा यही है। समस्या केवल

उपलब्धि-अंतर नहीं थी; यह विद्यालयी दबाव, सहपाठी संबंध, शिक्षक-सहयोग, परिवार-सहयोग, भावनात्मक तनाव और आत्मविश्वास के बीच विद्यार्थियों को कैसे व्यवस्थित करना था। इस शोध समस्या को हल करने के लिए मूल विद्यार्थी-स्तरीय डेटा चाहिए। वास्तविक डेटा के बिना दावा करना कि धनबाद के विद्यार्थियों में उच्च, मध्यम या निम्न समायोजन है, शोध-नैतिकता के विरुद्ध होगा। इसलिए, इस दस्तावेज़

में शोध-पत्र की पूरी संरचना दी गई है, लेकिन परिणाम-अध्याय को डेटा प्राप्ति के बाद ही अंतिम रूप देने की आवश्यकता बताई गई है।

4. माध्यमिक शिक्षा

माध्यमिक शिक्षा वह दौर है जहाँ किशोरावस्था के मनो-सामाजिक परिवर्तन, करियर-निर्णय और विद्यालयी उपलब्धि साथ-साथ विकसित होते हैं। NCERT के मानव विकास एवं समायोजन मॉड्यूल में सामाजिक-भावनात्मक क्षमताओं, परिवार, सहपाठी, समुदाय और पर्यावरण की भूमिका पर बल दिया जाता है (NCERT, et al.)। धनबाद जैसे शहरी और औद्योगिक जिले में इस संबंध को स्थानीय स्तर पर समझना विशेष महत्वपूर्ण है।

अवसंरचना, नामांकन और परीक्षा परिणाम अक्सर स्कूल की गुणवत्ता पर बहस करते हैं। लेकिन विद्यार्थी समायोजन शिक्षक-विद्यार्थी संबंध, कक्षा जीवन, मानसिक संतुलन, भावनात्मक सुरक्षा और सीखने की निरंतरता को जोड़ता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा, समग्र विकास, अनुभवात्मक अधिगम और सीखने के बोझ में कमी पर जोर दिया गया है (शिक्षा मंत्रालय, 2020)।

धनबाद जिले में विद्यार्थियों के समायोजन को हिंदी-अंग्रेजी माध्यम, सरकारी-निजी, आय-वर्ग और माता-पिता की शिक्षा जैसे विभेद प्रभावित कर सकते हैं। शिक्षक-प्रशिक्षण, विद्यालय परामर्श और जिला-स्तरीय शैक्षिक योजना को अधिक प्रमाण-आधारित बनाने के लिए इन विभेदों को वास्तविक डेटा से परीक्षण किया जा सकता है।

5. अध्ययन के उद्देश्यधनबाद जिले के कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों में आयाम-वार समायोजन और कुल समायोजन का स्तर निर्धारित करना।

1. शैक्षिक, भावनात्मक, सामाजिक, पारिवारिक, विद्यालयी वातावरण, सहपाठी और व्यक्तिगत समायोजन के बीच संबंधों का विश्लेषण करना

2. लिंग, कक्षा, विद्यालय का प्रकार, ग्रामीण-शहरी स्थिति, माध्यम, पारिवारिक आय और माता-पिता की शिक्षा के अनुसार समायोजन में अंतर की जाँच करें।
3. कुल समायोजन के संभावित पूर्वानुमानकों के रूप में शैक्षिक उपलब्धि, परिवार-सहयोग, शिक्षक-सहयोग और विद्यालयी वातावरण को परखना।
4. 5। प्रमुख गुणात्मक विषय बनाना: शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रधानाध्यापकों/परामर्शदाताओं के अनुभवों से समायोजन
5. 6: धनबाद जिले के स्कूलों के लिए शैक्षिक सुझावों के लिए मात्रात्मक और गुणात्मक परिणामों का त्रिकोणीकरण करना।
6. 8. खोज प्रश्न 7। धनबाद जिले में माध्यमिक स्कूलों में कुल समायोजन का स्तर कैसा है?

6: समायोजन के कौन से आयाम अपेक्षाकृत अधिक प्रकट होते हैं और कौन से कम?

1. क्या लिंग, कक्षा, विद्यालय प्रकार और ग्रामीण-शहरी स्थिति के अनुसार समायोजन में महत्वपूर्ण अंतर है?
2. क्या कुल समायोजन शैक्षिक उपलब्धि, परिवार-सहयोग और विद्यालयी वातावरण से संबंधित है?
3. क्या विद्यार्थी अकादमिक दबाव, सहपाठी संबंध, परिवार की उम्मीदें, डिजिटल विचलन, करियर चिंता आदि के रूप में अपनी समायोजन-कठिनाइयों को व्यक्त करते हैं?
4. शिक्षक और प्रधानाध्यापक/परामर्शदाता किन संस्थागत कारकों को विद्यार्थियों के समायोजन में महत्वपूर्ण मानते हैं?

7. शोध परिकल्पनाएँ

तालिका 2: शून्य परिकल्पनाएँ

कोड	परिकल्पना
H01	लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के कुल समायोजन स्कोर में कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।
H02	ग्रामीण और शहरी विद्यालयों के विद्यार्थियों के कुल समायोजन स्कोर में कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।
H03	विद्यालय-प्रकार के आधार पर विद्यार्थियों के कुल समायोजन स्कोर में कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।
H04	कक्षा 9 और कक्षा 10 के विद्यार्थियों के कुल समायोजन स्कोर में कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।
H05	परिवार-सहयोग, विद्यालयी वातावरण और शैक्षिक उपलब्धि का कुल समायोजन से कोई महत्वपूर्ण सहसंबंध नहीं होगा।
H06	परिवार-सहयोग, शिक्षक-सहयोग, विद्यालयी वातावरण और शैक्षिक उपलब्धि कुल समायोजन के महत्वपूर्ण पूर्वानुमानक नहीं होंगे।

वैकल्पिक परिकल्पनाएँ संबंधित शून्य परिकल्पनाओं के विपरीत होंगी। सभी परीक्षणों में 0.05 महत्व-स्तर अपनाया जाएगा।

8. साहित्य समीक्षा

8.1 समायोजन की अवधारणा

समायोजन व्यक्ति और उसके पर्यावरण के बीच निरंतर संतुलन बनाने की प्रक्रिया है। समायोजन को एनसीईआरटी के मार्गदर्शन एवं परामर्श मॉड्यूल में व्यक्तिगत आवश्यकताओं और पर्यावरण की आवश्यकताओं को संतुलित करने की प्रक्रिया के रूप में बताया गया

है। एनसीईआरटी ने समायोजन और विकास को एक-दूसरे से अलग-अलग प्रक्रियाओं के रूप में प्रस्तुत किया है (एनसीईआरटी, न.दि.)। इस दृष्टि से, विद्यार्थी समायोजन केवल स्कूल नियमों का पालन नहीं है; इसमें भी भावनात्मक संयम, सामाजिक संबंध, आत्मविश्वास, पारिवारिक चर्चा और स्कूल के प्रति अपनापन शामिल हैं।

8.2 किशोरावस्था और विद्यालयी अनुभव: किशोरावस्था एक विकासात्मक और तनावपूर्ण चरण है। यह समय शारीरिक, संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक बदलावों से प्रभावित होता है, जो उनके व्यवहार, आत्म-छवि और सहपाठी संबंधों को प्रभावित

करते हैं (NCIRT, nd)। माध्यमिक कक्षाओं में यह स्थिति अधिक जटिल हो जाती है क्योंकि विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा, विषयगत चुनौती, करियर की कल्पना और परिवार की उम्मीदों से जूझते हैं।

8.3 परिवार, सहपाठी और समुदाय की भूमिका: सामाजिक-भावनात्मक क्षमताओं और अंतर्व्यक्तिक संबंधों के विकास में सहायक होती है (NCIRT, nd)। किशोरों पर सहपाठी समूह का प्रभाव बढ़ता है, जो कभी-कभी परिवार के सदस्यों की भूमिका को आंशिक रूप से प्रतिस्थापित कर सकता है (NCIRT, n.d.)। इसलिए सहपाठी-संबंध और परिवार-सहयोग दोनों को स्वतंत्र आयामों के रूप में समायोजन अध्ययन में शामिल करना उपयुक्त है।

8.4 विद्यालयी वातावरण और शिक्षक-सहयोग: विद्यालयों में सिर्फ पढ़ाई नहीं होती; यह मूल्यों, अनुशासन, सुरक्षा, पहचान, सहभागिता और सहपाठी-जीवन का केंद्र है। धनबाद जिला शिक्षा प्रशासन में विद्यालयी गुणवत्ता को बढ़ावा देने और देखने के लिए जिला और ब्लॉक स्तर की व्यवस्थाएं हैं (जिला धनबाद, झारखंड सरकार, न.दि.-ख)। प्राथमिक डेटा ही इस प्रशासनिक संरचना में शिक्षक-सहयोग और विद्यालयी वातावरण की वास्तविक स्थिति का विश्लेषण कर सकता है।

8.5 राष्ट्रीय स्तर के शैक्षिक आकलन से प्राप्त NAS/PARAKH का 2021 चक्र विद्यार्थियों की उपलब्धि के साथ उनके सामाजिक-आर्थिक संदर्भ को भी प्रभावित करने के माध्यम से जोड़ता है (परख-NCIRT, 2021/2024)। यह तथ्य वर्तमान अध्ययन के लिए पद्धतिगत संकेत देता है कि समायोजन को कुल स्कोर से नहीं बल्कि पृष्ठभूमि चर, विद्यालयी परिवेश और परिवार-संदर्भ से भी देखा जाना चाहिए।

9. शोध-अंतराल: धनबाद जिले में माध्यमिक विद्यार्थियों के बहुआयामी समायोजन पर मिश्रित-पद्धति, स्थानीय और विद्यार्थी-स्तरीय अध्ययन सीमित हैं।

- आधिकारिक स्रोत विद्यालय, प्रशासन, नामांकन और उपलब्धि-संदर्भ देते हैं, लेकिन विद्यार्थियों के शैक्षिक, भावनात्मक, सामाजिक और पारिवारिक समायोजन के प्रत्यक्ष स्कोर नहीं देते।
- समायोजन मॉडल में विद्यार्थी के अनुभव, आत्मविश्वास, सहपाठी संबंध और शिक्षक-सहयोग को कम देखा जाता है, जबकि अधिकांश अध्ययन विद्यालयी उपलब्धि पर केंद्रित हैं।

- समायोजन अध्ययन में व्यवस्थित स्तरीकरण के साथ धनबाद के औद्योगिक-शहरी और ग्रामीण-परिधीय संदर्भों को जोड़ना आवश्यक है।

10: प्रस्तावित अध्ययन में मिश्रित-पद्धति का व्याख्यात्मक अनुक्रमिक प्रारूप प्रयोग किया जाएगा। पहले, विद्यार्थियों से संदर्भ-चर संबंधी मात्रात्मक डेटा लिया जाएगा। दूसरे चरण में, उन प्रवृत्तियों को समझने के लिए फोकस ग्रुप (अर्द्ध-संरचित साक्षात्कार) में चुनिंदा विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों और परामर्शदाताओं से चर्चा की जाएगी। तीसरे चरण में, गुणात्मक और मात्रात्मक निष्कर्षों का त्रिकोणीकरण किया जाएगा।

इस विधि का औचित्य यह है कि समायोजन एक मनो-सामाजिक बहुआयामी प्रक्रिया है; यह सिर्फ एक सांख्यिकीय औसत से पूरी तरह से समझा नहीं जा सकता। संख्यात्मक स्कोर समायोजन के स्तर और समूह-अंतर बताएँगे, साथ ही साक्षात्कार बताएँगे कि विद्यार्थी समायोजन-कठिनाइयों को कैसे सामना करते हैं।

11: धनबाद जिले के मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 9 और 10 में अध्ययनरत विद्यार्थी जनसंख्या, नमूना और नमूना-चयन विधि अध्ययन का लक्ष्य होगा। विद्यालयों का चयन शहरी-ग्रामीण क्षेत्र, विद्यालय-प्रकार और माध्यम पर आधारित होगा। नमूना चयन के लिए बहु-स्तरीय प्रणाली उपयुक्त होगी: क्षेत्र या रेंज पहले आता है, फिर विद्यालय, फिर कक्षा और अंत में विद्यार्थी।

11.1 समावेशन मानदंड: धनबाद जिले में एक मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 9 या 10 में पढ़ने वाले विद्यार्थी

- विद्यार्थी की औसत आयु १४ से १७ वर्ष होती है।
- विद्यार्थी को स्वैच्छिक सहमति मिली हो और अभिभावक या संरक्षक को इसकी अनुमति दी जाए।
- स्कूल प्रशासन से लिखित अनुमति मिली हो।

11.2 बहिष्करण मानदंड: ऐसे विद्यार्थी जिन्हें अभिभावकीय सहमति नहीं मिली है

- विद्यार्थी जो सर्वेक्षण पूरा नहीं कर पाते या उत्तर-पत्र अधूरा देते हैं
- गैर-प्रशासनिक स्कूल
- विद्यार्थियों पर भागीदारी का दबाव नहीं डाला जाए।

तालिका 3: प्रस्तावित नमूना-चयन रूपरेखा

चरण	नमूना इकाई	चयन का आधार
स्तर 1	धनबाद जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र/रेंज	आधिकारिक जिला शिक्षा संरचना और UDISE+ सूची के आधार पर
स्तर 2	सरकारी, सहायता-प्राप्त और निजी मान्यता प्राप्त विद्यालय	विद्यालय-प्रकार के अनुसार स्तरीकरण
स्तर 3	कक्षा 9 और 10	प्रत्येक विद्यालय से दोनों कक्षाओं का प्रतिनिधित्व
स्तर 4	विद्यार्थी	सहमति प्राप्त विद्यार्थियों में यादृच्छ/अनुपातिक चयन
गुणात्मक उप-नमूना	विद्यार्थी, शिक्षक, प्रधानाध्यापक/परामर्शदाता	उद्देश्यपूर्ण चयन; उच्च, मध्यम और निम्न समायोजन श्रेणियों से प्रतिनिधित्व

12. शोध उपकरण

प्राथमिक सर्वेक्षण के लिए विद्यार्थी समायोजन प्रश्नावली का प्रयोग

किया जाएगा। यदि किसी विश्वविद्यालय/संस्थान द्वारा स्वीकृत मानकीकृत हिंदी समायोजन मापनी उपलब्ध कराई जाती है, तो उसे

प्राथमिकता दी जाएगी। यदि शोधकर्ता निर्मित उपकरण का उपयोग हो, तो पायलट अध्ययन, विशेषज्ञ वैधता और आंतरिक संगति अनिवार्य होगी। पाँच-बिंदु Likert मापनी अपनाई जा सकती है: 1 = पूर्णतः

असहमत, 2 = असहमत, 3 = अनिश्चित, 4 = सहमत, 5 = पूर्णतः सहमत। नकारात्मक मर्दों को reverse coding के बाद कुल स्कोर में जोड़ा जाएगा।

तालिका 4: समायोजन मापनी की प्रस्तावित आयाम-वार संरचना

आयाम	मुख्य संकेतक	प्रस्तावित मर्दें	स्कोरिंग टिप्पणी
शैक्षिक समायोजन	कक्षा-कार्य, गृहकार्य, परीक्षा तैयारी, विषय कठिनाई से निपटना	8	उच्च स्कोर = बेहतर शैक्षिक अनुकूलन
भावनात्मक समायोजन	तनाव-नियंत्रण, चिंता, निराशा, आत्म-नियमन	8	नकारात्मक मर्दों में reverse coding
सामाजिक समायोजन	सहभागिता, समूह में सहजता, सामाजिक संवाद	6	उच्च स्कोर = बेहतर सामाजिक जुड़ाव
पारिवारिक समायोजन	परिवार-सहयोग, संवाद, अध्ययन में सहयोग, अपेक्षाओं का दबाव	6	समर्थन और दबाव दोनों को अलग कोड करना उचित
विद्यालयी वातावरण	शिक्षक-सहयोग, सुरक्षा, अनुशासन, विद्यालय से अपनापन	8	विद्यालय जलवायु संकेतक
सहपाठी-समूह	मित्र-सहयोग, peer pressure, समूह-स्वीकृति	6	peer support और pressure को अलग करें
व्यक्तिगत समायोजन	आत्मविश्वास, लक्ष्य-निष्ठा, आत्म-सम्मान, समय-प्रबंधन	8	व्यक्तिगत संसाधन संकेतक

विश्वसनीयता के लिए Cronbach alpha कुल मापनी और प्रत्येक आयाम पर अलग-अलग निकाला जाएगा। सामान्यतः 0.70 या उससे अधिक alpha को शोध-उपयोग के लिए स्वीकार्य माना जाता है, परन्तु अंतिम निर्णय आयाम की प्रकृति, मर्दों की संख्या और पायलट डेटा के आधार पर किया जाएगा।

13. डेटा संग्रह प्रक्रिया

जिला/विद्यालय प्रशासन से लिखित अनुमति प्राप्त की जाएगी। अभिभावक/संरक्षक की सहमति और विद्यार्थी की assent अलग-अलग ली जाएगी। प्रश्रावली विद्यालय अवधि में ऐसे समय पर दी जाएगी जिससे कक्षा-शिक्षण बाधित न हो।

विद्यार्थियों को स्पष्ट बताया जाएगा कि भागीदारी स्वैच्छिक है और उत्तर गोपनीय रहेंगे।

किसी भी उत्तर-पत्र पर विद्यार्थी का नाम, मोबाइल नंबर, पता या प्रत्यक्ष पहचान-सूचक जानकारी नहीं ली जाएगी। साक्षात्कार/फोकस-ग्रुप के लिए अलग अनुमति ली जाएगी और रिपोर्ट में केवल कोडित पहचान जैसे S1, T1, P1 का प्रयोग होगा।

15. डेटा विश्लेषण तकनीक

प्राथमिक डेटा उपलब्ध होने पर SPSS, R, Python या Excel में निम्न विश्लेषण किए जाएँगे। वर्तमान दस्तावेज़ में ये केवल विश्लेषण-योजना के रूप में दिए जा रहे हैं; कोई परिणाम प्रस्तुत नहीं है।

तालिका 5: प्राथमिक डेटा मिलने पर प्रस्तावित सांख्यिकीय विश्लेषण

विश्लेषण क्षेत्र	तकनीक	उपयोग
जनसांख्यिकीय प्रोफाइल	frequency और percentage	लिंग, कक्षा, विद्यालय-प्रकार, ग्रामीण-शहरी, आय-वर्ग आदि
वर्णनात्मक आँकड़े	mean, SD, minimum, maximum, skewness, kurtosis	कुल और आयाम-वार समायोजन
विश्वसनीयता	Cronbach alpha	कुल मापनी और सभी उप-आयाम
दो समूहों की तुलना	Independent sample t-test; Cohen's d	लिंग, ग्रामीण-शहरी
तीन या अधिक समूह	One-way ANOVA; eta squared	विद्यालय-प्रकार, आय-वर्ग, अभिभावक शिक्षा
श्रेणीगत संबंध	Chi-square test	समायोजन श्रेणी × विद्यालय-प्रकार/लिंग
संबंध विश्लेषण	Pearson/Spearman correlation	समायोजन, उपलब्धि, परिवार-सहयोग, विद्यालयी वातावरण
पूर्वानुमान	Multiple regression; R ² , adjusted R ²	समायोजन के संभावित predictors
गुणात्मक विश्लेषण	thematic analysis	अकादमिक दबाव, सहपाठी संबंध, परिवार-सहयोग आदि थीम

14. परिणाम और विश्लेषण: डेटा-अनुपलब्धता की स्थिति

इस अध्ययन के लिए वास्तविक विद्यार्थी-स्तरीय Excel/CSV सर्वे डेटा अभी उपलब्ध नहीं है। इसलिए निम्नलिखित परिणाम इस संस्करण में प्रस्तुत नहीं किए गए हैं: demographic frequency, mean/SD, skewness/kurtosis, Cronbach alpha, t-test, ANOVA, chi-square, correlation, regression, p-value और effect size। इन परिणामों को बिना डेटा के बनाना अकादमिक ईमानदारी और शोध-नैतिकता के विरुद्ध होगा।

द्वितीयक स्रोतों से केवल पृष्ठभूमि-संदर्भ लिया गया है। उदाहरण के लिए, धनबाद जिला पोर्टल जनसंख्या, विद्यालय संख्या और प्रशासनिक संरचना की सूचना देता है; UDISE+ विद्यालयी प्रणाली का व्यापक सांख्यिकीय आधार देता है; NAS/PARAKH अधिगम-आकलन और विद्यार्थी-संदर्भ पर राष्ट्रीय संकेत देता है। परन्तु इन स्रोतों से कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों का व्यक्तिगत समायोजन स्कोर नहीं मिलता। अतः वास्तविक परिणामों के लिए प्रश्रावली-आधारित प्राथमिक सर्वेक्षण अनिवार्य है।

तालिका 6: डेटा प्राप्त होने पर बनाई जाने वाली परिणाम-तालिकाएँ

परिणाम तालिका	विषय	डेटा आवश्यकता
तालिका 6	उत्तरदाताओं की जनसांख्यिकीय प्रोफाइल	Excel/CSV में gender, class, school type, locality आदि मिलने पर बनेगी
तालिका 7	समायोजन आयामों के वर्णनात्मक आँकड़े	आइटम-स्तर स्कोर और कुल स्कोर मिलने पर बनेगी
तालिका 8	विश्वसनीयता आँकड़े	कुल और उप-आयामों के आइटम स्कोर मिलने पर Cronbach alpha निकलेगा
तालिका 9	t-test/ANOVA परिणाम	समूह-चर और adjustment score मिलने पर बनेगी
तालिका 10	सहसंबंध और प्रतिगमन परिणाम	academic performance, family support, school climate आदि चर मिलने पर बनेगी

16. गुणात्मक निष्कर्ष: प्रस्तावित थीमैटिक फ्रेम

गुणात्मक भाग में विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों/परामर्शदाताओं से प्राप्त साक्षात्कार सामग्री का थीमैटिक विश्लेषण किया जाएगा। इस संस्करण में कोई वास्तविक

उद्धरण नहीं जोड़ा गया है, क्योंकि साक्षात्कार डेटा उपलब्ध नहीं है। नीचे केवल पूर्व-निर्धारित coding framework दिया गया है। वास्तविक डेटा मिलने पर open coding, axial coding और theme refinement के बाद अंतिम थीम लिखी जाएगी।

तालिका 7: गुणात्मक थीमैटिक विश्लेषण का प्रस्तावित फ्रेम

थीम	संकेतक	विश्लेषण टिप्पणी
अकादमिक दबाव	परीक्षा, गृहकार्य, विषय कठिनाई, tuition निर्भरता	विद्यार्थी और शिक्षक दोनों स्रोतों से जाँचना
भावनात्मक तनाव	चिंता, असफलता-भय, आत्मविश्वास की कमी	संवेदनशील reporting; counselling referral protocol
परिवार-सहयोग	अध्ययन में सहयोग, संवाद, आर्थिक दबाव, अपेक्षाएँ	परिवार की पहचान गोपनीय रहे
सहपाठी संबंध	मित्र-सहयोग, उपेक्षा, peer pressure, समूह में स्वीकृति	focus group में सावधानी
विद्यालयी वातावरण	शिक्षक-सहयोग, सुरक्षा, कक्षा-भागीदारी, अनुशासन	विद्यालय की प्रत्यक्ष पहचान न दी जाए
डिजिटल विचलन	मोबाइल उपयोग, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग, नौद	दोषारोपण की बजाय संतुलित विश्लेषण
करियर चिंता	विषय-चयन, भविष्य, प्रतियोगी परीक्षा, रोजगार कल्पना	कक्षा 10 विद्यार्थियों में विशेष महत्व

17. चर्चा

यह अध्ययन बताता है कि विद्यार्थी समायोजन परिवार, सहपाठी, विद्यालय, समुदाय और विद्यार्थी से जुड़े संबंधों का परिणाम नहीं है। NCERT के समायोजन संबंधी मॉड्यूल में भी समायोजन और विकास को जीवन भर चलने वाली परस्पर संबंधित प्रक्रियाओं के रूप में बताया गया है (NCERT, n.d.)। धनबाद में समायोजन का अध्ययन करते समय आपको केवल "अच्छे" या "कमज़ोर" विद्यार्थियों की भाषा से बचना चाहिए; वास्तविक प्रश्न यह होगा कि किस प्रकार का विद्यालयी और पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों को समान विकास की अनुमति देता है।

यदि प्राथमिक डेटा में लिंग, सरकारी-निजी या ग्रामीण-शहरी अंतर पाए जाते हैं, तो उन्हें सीधे कारणात्मक निष्कर्ष नहीं मानना चाहिए। क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण केवल संबंधों और विभिन्नताओं को खोज सकता है; कारण-प्रभाव संबंध को सिद्ध करने के लिए अनुदैर्घ्य या हस्तक्षेप-आधारित अध्ययन की जरूरत होगी। परिवार-आय, माता-पिता की शिक्षा और माध्यम के मामले में भी यही चेतावनी लागू होगी। धनबाद जिले में विद्यालयी प्रशासन की आधिकारिक संरचना और विद्यालयों की विविधता का अध्ययन स्थानीय महत्व रखता है (झारखंड सरकार, जिला धनबाद, न.दि.-ख)। यह शोध जिला-स्तरीय विद्यालय परामर्श, शिक्षक प्रशिक्षण, युवा सहायता और परीक्षा-तनाव प्रबंधन के लिए व्यावहारिक सुझाव दे सकता है अगर प्राथमिक डेटा व्यवस्थित रूप से जुटाया जाता है।

18. प्राथमिक डेटा उपलब्ध नहीं होने के कारण इस संस्करण में अनुभवजन्य निष्कर्ष नहीं दिए जा सकते हैं। इसके बावजूद, सत्यापित स्रोतों और पद्धतिगत समीक्षा से निम्न गैर-सांख्यिकीय निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं:

- धनबाद जिले में कई शैक्षिक स्तर हैं; नमूना-स्तरीकरण शहरी-ग्रामीण, विद्यालय-प्रकार और प्रशासनिक रेंज पर आधारित होना चाहिए।
- समायोजन अध्ययन में कुल स्कोर के अलावा भावनात्मक, शैक्षिक, सामाजिक, पारिवारिक, विद्यालयी और सहपाठी आयामों को मापा जाना चाहिए।
- UDISE+, NAS/PARAKH और जिला स्रोत पृष्ठभूमि प्रदान करते हैं, लेकिन प्राथमिक विद्यार्थी-समायोजन स्कोर नहीं प्रदान करते; इसलिए सर्वेक्षण डेटा चाहिए।
- समायोजन में अनुभवात्मक कथन और मात्रात्मक स्कोर दोनों महत्वपूर्ण हैं, इसलिए मिश्रित-पद्धति डिज़ाइन उपयुक्त है।
- छोटे बच्चों के अध्ययन के लिए अभिभावक की अनुमति, नैतिक सहमति और गोपनीयता आवश्यक हैं।
- 21. शैक्षिक निहितार्थ: स्कूलों में कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों के लिए आवश्यकता-आधारित परामर्श प्रणाली और नियमित समायोजन स्क्रीनिंग की व्यवस्था की जा सकती है।
- अध्ययन-परिणाम मिलने पर, उन क्षेत्रों पर उपाय बनाए जा सकते हैं जहाँ समायोजन कम होता है, जैसे परीक्षा-चिंता, सहपाठियों की दबाव या परिवार-संवाद।
- विद्यालय-प्रकार या शहरी-ग्रामीण अंतर मिलने पर स्थानीय प्राथमिकता शिक्षक सहायता और संसाधन वितरण पर निर्भर कर सकती है।
- माता-पिता की बैठकें, खासकर किशोरावस्था संवाद, अपेक्षा-दबाव और अध्ययन-समर्थन पर, लाभदायक होंगी।
- शिक्षकों को बाल मनोविज्ञान, कक्षा का वातावरण और निमंत्रण प्रणाली का ज्ञान मिल सकता है।

- 22. पहला सुझावकक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों को वर्ष में कम-से-कम एक बार तनाव-संबंधी समायोजन और स्क्रीनिंग दी जाएगी।
- 2। विद्यालयों में गुप्त तरीके से मदद मांगने की व्यवस्था की जाए, जहाँ विद्यार्थी सुरक्षित रूप से अपनी समस्याओं को साझा कर सकें।
- 3. विद्यालय-स्तर पर सहयोगी समूहों, अध्ययन मंडलों और मार्गदर्शन प्रणाली बनाएँ।
- 4. अभिभावक-शिक्षक बैठकों में विद्यार्थियों की भावनात्मक और सामाजिक स्थिति पर भी चर्चा होनी चाहिए।
- 5। यह दंडात्मक नहीं है; इसे समय-प्रबंधन और डिजिटल साक्षरता से संबोधित करें।
- 6. समायोजन अध्ययन के परिणामों को विद्यालयों, अभिभावकों और जिला शिक्षा कार्यालय के साथ एक छोटे से नीति नोट में साझा करें।
- 23. अध्ययन की सीमा: प्राथमिक सर्वे डेटा के बिना वर्तमान संस्करण बनाया गया है; इसलिए कोई अनुभवजन्य सांख्यिकीय परिणाम नहीं दिखाया गया है।
- द्वितीयक स्रोत विद्यालयी और जिला पृष्ठभूमि प्रदान करते हैं, लेकिन समायोजन के व्यक्तिगत स्कोर नहीं प्रदान करते।
- एक क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण कारणात्मक निष्कर्ष नहीं निकाल सकेगा।
- स्व-प्रतिवेदित प्रश्नावली में सामाजिक वांछनीयता की संभावना रहेगी, साथ ही प्रतिक्रिया bias भी हो सकता है।
- गुणात्मक साक्षात्कार में खुलापन गोपनीयता-आश्वासन और स्कूल का वातावरण पर निर्भर करेगा।
- 24. भविष्य के अध्ययन की संभावनाएँ: कक्षा 9 से 12 तक अनुदैर्ध्य अध्ययन करके समायोजन और परीक्षा-उपलब्धि के संबंध को समय के साथ अध्ययन किया जा सकता है।
- पूर्व-परीक्षा या पोस्ट-परीक्षा प्रणाली को समायोजन-सुधार के उद्देश्य से बनाया जा सकता है।
- धनबाद को झारखंड के अन्य औद्योगिक और गैर-औद्योगिक जिलों से तुलना की जा सकती है।
- माध्यम, लिंग और सामाजिक-आर्थिक वर्ग के आधार पर समायोजन की अंतर्निहित विश्लेषण की जा सकती है।
- विद्यार्थियों के परिवार, श्रम-संस्कृति, प्रवास और शिक्षा-आकांक्षा के बीच गहरे संबंधों को समझने के लिए गुणात्मक जीवन-कथा की बातें करनी चाहिए।

19. निष्कर्ष

धनबाद जिले में माध्यमिक विद्यार्थियों के समायोजन का अध्ययन किशोर कल्याण, विद्यालयी गुणवत्ता और शैक्षिक मनोविज्ञान को जोड़ सकता है। समायोजन को केवल परीक्षा-प्रदर्शन या व्यक्तिगत अनुशासन तक सीमित करना अपर्याप्त होगा; यह परिवार-सहयोग, शिक्षक-समूह, सहपाठी-समूह, स्कूल का वातावरण और व्यक्तिगत आत्मविश्वास के संदर्भ में पढ़ना चाहिए।



इस दस्तावेज़ में NCERT के हिंदी मनोवैज्ञानिक/परामर्श साहित्य और सत्यापित आधिकारिक स्रोतों के आधार पर शोध-पत्र की संरचना, प्रक्रिया, उपकरण, नैतिक प्रक्रिया और विश्लेषण योजना प्रस्तुत की

गई है। वास्तविक परिणामों के लिए प्राथमिक विद्यार्थी डेटा की जरूरत है। इसलिए, अंतिम प्रकाशित शोध-पत्र में कोई भी परिणाम, तालिका या निष्कर्ष तभी जोड़ा जाना चाहिए जब वास्तविक Excel/CSV डेटा, coding sheet और डेटा सफाई विवरण उपलब्ध हों।

संदर्भ सूची

1. भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. नई दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; 2020.
2. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार. यूडीआईएसई+ रिपोर्ट 2021-22. नई दिल्ली: स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग; 2022.
3. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार. यूडीआईएसई+ रिपोर्ट 2022-23: Existing Structure. नई दिल्ली: स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग; 2024.
4. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार. यूडीआईएसई+ रिपोर्ट 2024-25. नई दिल्ली: स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग; 2025.
5. परख-राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद. राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021: डैशबोर्ड और तकनीकी रिपोर्ट. नई दिल्ली: एनसीईआरटी; 2021/2024.
6. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद. मानव विकास एवं समायोजन हेतु मार्गदर्शन: मार्गदर्शन एवं परामर्श पाठ्यक्रम, मॉड्यूल 3. नई दिल्ली: एनसीईआरटी; न.दि.
7. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद. आत्म एवं व्यक्तित्व. मनोविज्ञान पाठ्यपुस्तक. नई दिल्ली: एनसीईआरटी; न.दि.
8. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद. जिनमें लोग एक-दूसरे से भिन्न होते हैं उन मनोवैज्ञानिक गुणों को समझना. मनोविज्ञान पाठ्यपुस्तक. नई दिल्ली: एनसीईआरटी; न.दि.
9. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद. प्राथमिक शिक्षक. नई दिल्ली: एनसीईआरटी; 2018.
10. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद. भारतीय आधुनिक शिक्षा. नई दिल्ली: एनसीईआरटी; 2018.
11. जिला धनबाद, झारखण्ड सरकार. जिला एक नज़र में. धनबाद: जिला प्रशासन, धनबाद; न.दि.
12. जिला धनबाद, झारखण्ड सरकार. शिक्षा. धनबाद: जिला प्रशासन, धनबाद; न.दि.

13. भारत की जनगणना. जिला जनगणना पुस्तिका: धनबाद, झारखण्ड, श्रृंखला 21, भाग XII-A/B. नई दिल्ली: भारत सरकार; 2011.
14. UDISE+ डैशबोर्ड. विद्यालयी शिक्षा संबंधी UDISE+ रिपोर्ट और आँकड़े. नई दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; न.दि.

Creative Commons (CC) License	
This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–Non-commercial–No Derivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) license. This license permits sharing and redistribution of the article in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted under this license.	
About the Author	
	कलीमुद्दीन अंसारी बी.बी.एम.के. यूनिवर्सिटी, धनबाद, झारखंड के मनोविज्ञान विभाग में शोधार्थी हैं। उनकी शोध रुचि मनोविज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, व्यवहार अध्ययन, व्यक्तित्व विकास तथा सामाजिक मनोविज्ञान से संबंधित विषयों में है। वे गुणवत्तापूर्ण शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।
	डॉ. के. एस. एन. सिंह मनोविज्ञान विभाग, चास कॉलेज, चास (बोकारो), झारखंड में असिस्टेंट प्रोफेसर एवं शोध निदेशक हैं। वे मनोविज्ञान, शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य तथा व्यवहार अध्ययन के क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद् एवं शोधकर्ता हैं। उनके अनेक शोध-पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

परिशिष्ट

परिशिष्ट-क: विद्यार्थी समायोजन प्रश्नावली का नमूना प्रारूप
निर्देश: नीचे दिए गए कथनों पर अपनी सहमति 1 से 5 तक अंकित करें। 1 = पूर्णतः असहमत, 2 = असहमत, 3 = अनिश्चित, 4 =

सहमत, 5 = पूर्णतः सहमत। कोई सही या गलत उत्तर नहीं है। आपके उत्तर गोपनीय रहेंगे।

तालिका 8: प्रश्नावली मदों का संक्षिप्त नमूना

कोड	कथन	आयाम
A1	मैं कक्षा में पढ़ाए गए विषयों को समझने का नियमित प्रयास करता/करती हूँ।	शैक्षिक
A2	परीक्षा के समय मुझे पढ़ाई व्यवस्थित करने में कठिनाई होती है।	शैक्षिक/नकारात्मक
E1	कठिन परिस्थिति में भी मैं स्वयं को शांत रखने का प्रयास करता/करती हूँ।	भावनात्मक
E2	असफलता की आशंका मुझे बहुत परेशान करती है।	भावनात्मक/नकारात्मक
S1	मैं सहपाठियों के साथ समूह-कार्य में सहज महसूस करता/करती हूँ।	सामाजिक
S2	कभी-कभी मुझे लगता है कि कक्षा के समूह में मेरी उपेक्षा होती है।	सामाजिक/नकारात्मक
F1	मेरे परिवार में पढ़ाई से जुड़ी बातों पर सहयोगी चर्चा होती है।	पारिवारिक
F2	परिवार की अपेक्षाओं के कारण मुझे अत्यधिक दबाव महसूस होता है।	पारिवारिक/नकारात्मक
SC1	मेरे शिक्षक कठिन विषयों को समझने में सहायता करते हैं।	विद्यालयी वातावरण
SC2	विद्यालय का वातावरण मुझे सुरक्षित और स्वीकार्य महसूस कराता है।	विद्यालयी वातावरण
P1	मेरे मित्र पढ़ाई और अच्छे व्यवहार में मेरा सहयोग करते हैं।	सहपाठी
P2	मित्रों के दबाव में मैं कभी-कभी अपनी पढ़ाई से भटक जाता/जाती हूँ।	सहपाठी/नकारात्मक
I1	मैं अपने अध्ययन और अन्य गतिविधियों के लिए समय-योजना बना पाता/पाती हूँ।	व्यक्तिगत
I2	मुझे अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने में बहुत भ्रम महसूस होता है।	व्यक्तिगत/नकारात्मक

परिशिष्ट-ख: सहमति-पत्र का संक्षिप्त प्रारूप

अध्ययन का उद्देश्य कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों के विद्यालयी समायोजन को समझना है।

भागीदारी पूर्णतः स्वैच्छिक है; विद्यार्थी किसी भी समय बिना कारण बताए अध्ययन से हट सकता/सकती है। उत्तर गोपनीय रखे जाएँगे और रिपोर्ट में किसी विद्यार्थी या विद्यालय की पहचान प्रकाशित नहीं की जाएगी।

किसी भी असुविधा या भावनात्मक परेशानी की स्थिति में विद्यार्थी विद्यालय के नामित शिक्षक/परामर्शदाता से संपर्क कर सकेगा/सकेगी। अभिभावक/संरक्षक की अनुमति और विद्यार्थी की सहमति दोनों अनिवार्य हैं।

परिशिष्ट-ग: अर्द्ध-संरचित साक्षात्कार संकेत

तालिका 9: साक्षात्कार/फोकस-ग्रुप संकेत

उत्तरदाता	प्रश्न/प्रॉम्प्ट	थीम
विद्यार्थी	आपको विद्यालय में सबसे अधिक दबाव किस बात से महसूस होता है?	अकादमिक दबाव/भावनात्मक तनाव
विद्यार्थी	मित्रों और सहपाठियों से आपको किस प्रकार का सहयोग या दबाव मिलता है?	सहपाठी संबंध
विद्यार्थी	परिवार आपकी पढ़ाई में किस प्रकार सहायता करता है?	परिवार-सहयोग
शिक्षक	कक्षा 9 और 10 में विद्यार्थियों की समायोजन-कठिनाइयाँ किस रूप में दिखाई देती हैं?	विद्यालयी अवलोकन
प्रधानाध्यापक/परामर्शदाता	विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के भावनात्मक और सामाजिक समर्थन की क्या व्यवस्था है?	संस्थागत समर्थन
शिक्षक/प्रधानाध्यापक	किन विद्यार्थियों को अधिक समर्थन की आवश्यकता दिखाई देती है?	जोखिम समूह और referral

परिशिष्ट-घ: Excel/CSV डेटा कोडिंग शीट

तालिका 10: प्राथमिक डेटा के लिए आवश्यक coding template

चर नाम	कोड/मान	विवरण
student_id	S001, S002...	गोपनीय कोड; नाम नहीं लिखना
gender	1=बालक, 2=बालिका, 3=अन्य/कहना नहीं चाहते	लिंग
age	संख्या	वर्षों में आयु
class	9 या 10	कक्षा
school_type	1=सरकारी, 2=सहायता-प्राप्त, 3=निजी	विद्यालय-प्रकार
locality	1=ग्रामीण, 2=शहरी	विद्यालय/निवास के अनुसार अलग कॉलम भी बनाए जा सकते हैं
medium	1=हिंदी, 2=अंग्रेज़ी, 3=अन्य	शिक्षण माध्यम
father_education	0=निरक्षर से 5=स्नातकोत्तर+	अभिभावक शिक्षा
mother_education	0=निरक्षर से 5=स्नातकोत्तर+	अभिभावक शिक्षा
family_income_group	1=निम्न, 2=निम्न-मध्यम, 3=मध्यम, 4=उच्च-मध्यम/उच्च	स्व-रिपोर्टेड श्रेणी
academic_performance	प्रतिशत/ग्रेड	पिछली परीक्षा का सत्यापित/स्व-रिपोर्टेड परिणाम
A1...I8	1 से 5	Likert item scores
total_adjustment	गणना योग्य	reverse coding के बाद कुल स्कोर
academic_adjustment आदि	गणना योग्य	आयाम-वार score